बिरज

भासा में पढ़बे और लिखबे की कहानी की पहली किताब

बिरज भासा में पढ़बे और लिखबे की कहानी की पहली किताब
(Reading and Writing in Braj: Primer Story Book-1)

सामन किरस्न पक्छ बिकरम सम्बत 2075 (अगस्त 2018)
छपबे बारी किताबन की गिनती: 200

© निर्माण सोसायटी

तईयार करबे बारे
जगदीश चन्द नैहचैनिया, सतवीर चौधरी, रतन लाल योगी
दिनेश चन्द, राजेश भारती, जगराम और रतन सिंह

संग दैबे बारे
मुकेश कुमार, शैला डिसौजा, फेबा जोस और मुकेश कुमार योगी

टाइप करबे बारौ
रतन लाल योगी

पिरकासन

निर्माण सोसायटी
सहारई रोड़, ब्लू बर्ड स्कूल के पास, डीग,
भरतपुर, राजस्थान-321203
Email-rajasthanlanguages@nirmaan.org.in
Web.-www.nirmaan.org.in
Ph.05641-224424

सब अधिकार सुरक्षित हैं
प्रकाशक की अग्रिम लिखित अनुमति के बिना, इस प्रकाशन का कोई भी भाग आण्विक, यांत्रिकी, रिकॉर्डिंग व अन्य किसी भी रूप में या अन्य माध्यम से पुन: उत्पादित नहीं किया जा सकता है और न ही पुन:प्राप्ति पद्धति में इसका भंडारण किया जा सकता है या प्रसारित किया जा सकता है।

बिरज भासा में पढ़बे और लिखबे की कहानी की पहली किताब

बिरज भासा की पहल-पहल की किताब के संग-संग एक कहानी की किताब भी हौनौ जरुरीय। जो सब्द या किताब में आये हैं, जो तुमनै पहली किताब में सीखे हैं। ई कहानी की किताब हम जो पहली कक्छा में लिंग्गे, जाकौ मतलब है कि मास्टर पढाबे में कहनी सुनाबैगौ। कहानी की किताब में जो भी पढायौ जारौय बाय सीक जायेंगे। कहानी की किताब में जो सब्द आये हैं, उन्नै अच्छी तरीका ते पढनौ सिखाबै। जाकी बजै ते या किताबै काम में लैमैं। जाते जो पढबे बारे को वा सब्द कौ अर्थ समझ में आ सकै और या किताब में सबरी कहानीन की फोटू भी हैं। जाते पढबे बारे समझ सकैं। यामें लिखौय कि पढबे बारे के मन में रुचि जाग सकै। जो खास सब्द या कहानी में आये हैं वो खास सब्द पहली किताब में लै लिये हैं। यामें दो किताब हैं याकौ बिरज ते सीधौ नातौय। ये सबरी कहानी अपने बिरज इलाके की रीति-रिवाज, परम्परा और रहन-सहनै दरसामैं और ये सबरी कहानी अपनी भासा में लिखी गई हैं। या किताब कौ मकसद ईयै कि पढबे बारे जो पढायौ जारौय ऊ सई तरै ते समझ में आ सकै और जादा ते जादा लोग पढे-लिखे है जांय।

पाठ–1

राजा और दरवारी

करब **रकम** **अरक**

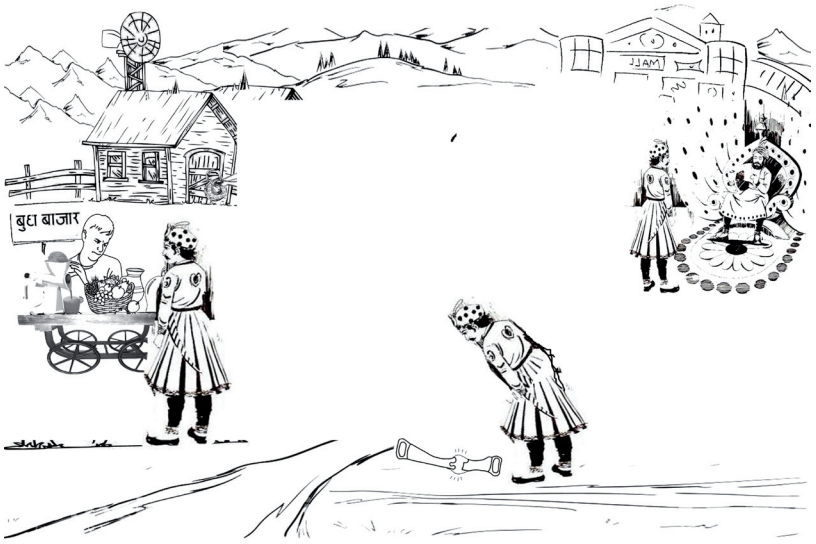

एक पोत एक राजा नै अपने दरवारी पै **रकम** ते नीम के पत्तान कौ **अरक** मंगायौ। दरवारी **रकम** ते **अरक** लैबे दुकान पै जारौ तौ बाय गैल में **करब** परी मिली। बानै सोची कोई नै ई **करब** गैल में गलत पटक दईयै। अगर राजा यहां हैकैं जाबैगौ तौ ऊ मोमें डाट मारैगौ, तौ बानै पहलैं **करब** हटाई। फिर ऊ **रकम** ते **अरक** लैबे कूं दुकान पै गयौ। तौ ऊ वहां ते **रकम** ते अरक खरीद कैं चल दियौ। राजा कूं महल में **अरक** दै दियौ तौ राजा नै पूछी इतेक लेट कैसैं हैगौ? ऊ बोलौ राजा सहाब कोई नै गैल में **करब** पटक दी तौ मैंनै पहलैं **करब** हटाई, फिर **रकम** ते **अरक** लैबे गयौ।

पाठ–2

डौक्टर और आरा बारौ

कान **नार** **आरा**

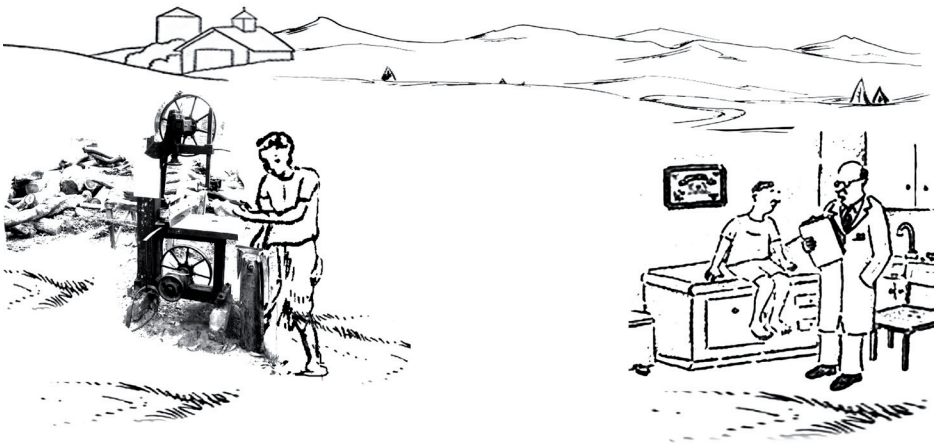

एक पोत एक **आरा** बारौ ऊ **कान** ते भैहरौ। बाय एक **कान** ते कम सुनैऔ और दूसरे **कान** ते बिलकुल ना सुनैऔ। बाते घर बारे खूब कैहबैये कै डौक्टर के ढिंग **कानै** दिखाया पर ऊ जाबै नाऔ। तौ एक दिना काह हुयौ ऊ अपने **आरा** पै लकड़िया में ते गुटका बनारौ तौ बाकी **नार** में लग्गी। अब ऊ **नार** और **कान** ते परेसान हैगौ। फिर ऊ डौक्टर के ढिंग गयौ तौ डौक्टर नै कही कै **नार** में दवाई लगाकैं पट्टी है जाबैगी और **कान** में पर्दा डर जाबैगौ। **आरा** बारौ बोलौ कर देऔ! अब डौक्टर नै **कान** कौ पर्दा डार दियौ और **नार** में दवाई लगाकैं पट्टी कर दी। अब **आरा** बारे की **नार** भी सई हैगी और **कान** ते भी सुनबे लग्गौ।

पाठ–3

एक बईयर और भाट

किरन **तिल** **इकतारा**

एक **किरन** नाम की बईयर **इकतारा** बेचबे एक गांम में गई। एक भाट **इकतारा** खरीदबे कूं **किरन** के ढिंग आयौ। बानै कही **किरन** मोय **इकतारा** चहियै। बता कितने कौ देगी। **किरन** बोली मैं या **इकतारा**य फिरी में दै दुंगी। पर मोय एक चीज की भौत जरूरत है तू मोकूं कहीं ते भी एक **तिल** कौ पेड लाकैं दैदै। ऊ भाट **तिल** ढूंढबे कूं इत बितकूं गयौ और बाय जंगल में **तिल** कौ पेड मिलगौ। बानै **तिल** कौ पेड **किरन** कूं दै दियौ और **किरन** नै **इकतारा** भाट कूं दै दियौ। फिर भाट बोलौ तू **तिल** के पेड कौ काह करैगी। **किरन** बोली मैं **तिल** खाऊंगी।

पाठ–4

आमी कौ पेड

कीरा **आदमी** **नरई**

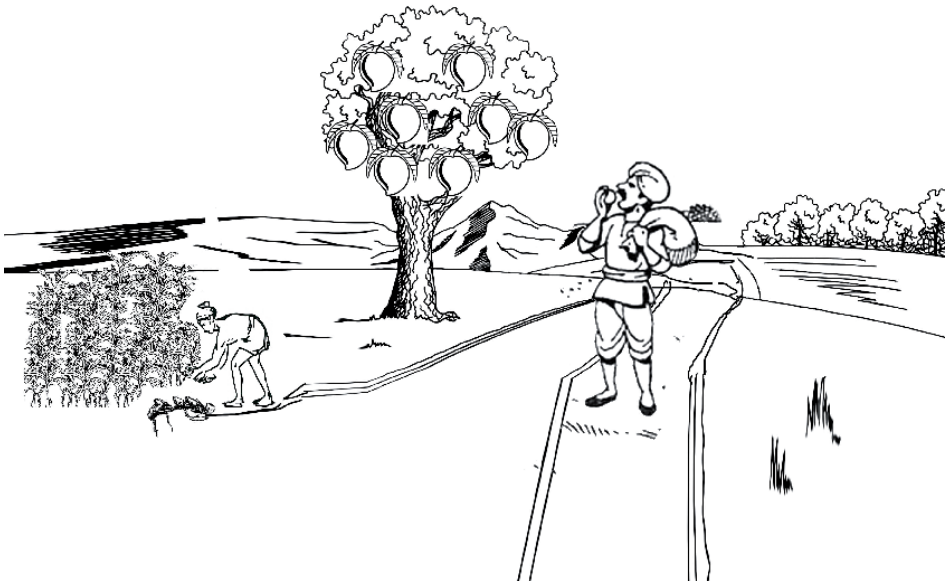

एक **आदमी** आमी भौत जादा खाबैऔ। तौ एक दिना **आदमी** जंगल में **नरई** लैबे जारौ तौ गैल में बाय एक आमी कौ पेड निगाह परौ। तौ **आदमी** आमी के पेड के ढिंग गयौ। पहलैं बानै आमी खांई। फिर आदमी खेत में **नरई** काटबे लग्गौ। जब आदमी **नरई** काटरौ तौ बाय कोई **कीरा** खागौ। तौ **आदमी** फिर **नरई** के खेत में **कीरा** ढूंढबे लग्गौ। तौ बाय **कीरा** मिलगौ। बानै ऊ **कीरा** मार दियौ। फिर **आदमी** आराम करबे कूं **नरई** के खेत में ते आमी के पेड के नीचैं आगौ।

पाठ–5

आदमी और कउआ

कुआ **बुनान** **कउआ**

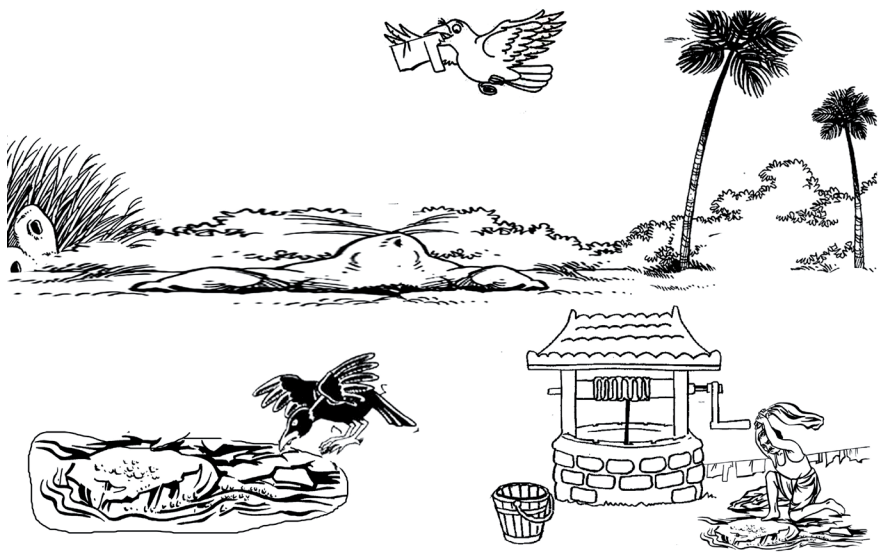

एक दिना एक आदमी **कुआ** के घाट पै अपनी **बुनान** धोरौ। बानै **बुनान** धोकैं **कुआ** के घाट पै ई सुका दी। एक **कउआ** वहां पै पानी पीबे आयौ। ऊ **कउआ** **कुआ** के ढिंग एक पोखरा में ते पानी पीरौ। आदमी नै एक ढिलौ **कउआ** में मार दियौ और इत बित कूं चलेगौ। नैक देर डटकैं **कउआ** वहां पै आयौ और बाकी **बुनानै** लैगौ। आदमी **कुआ** पै आयौ और बाय **बुनान** ना मिली। फिर पछताव करबे लगौ।

पाठ–6

मैहनत कौ फल

कूलर **सूआबीन** **ऊन**

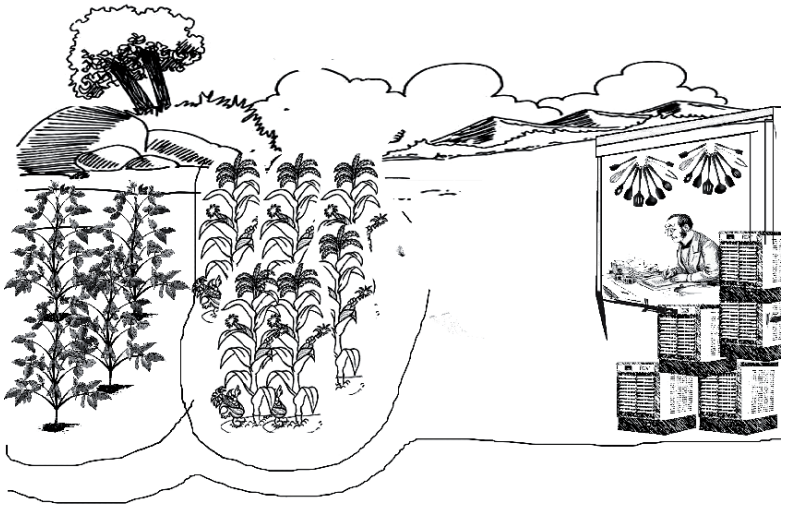

एक गरीब किसान्नै खेत में मक्का और **सूआबीन** बोदी। टैम-टैम पै बानै मक्का और **सूआबीन** के खेत में खात-पानी दियौ। कछू दिना डटकैं मक्का और **सूआबीन** खूब उपज आई। जब मक्का और **सूआबीन** पकगी तौ बानै कटवा दी। फिर मक्का और **सूआबीन** की पैदा उठाकैं मंडी में बेक दी। मक्का और **सूआबीन** के पईसान ते किसान **ऊन** और **कूलर** कौ धन्धौ करबे लग्गौ। **ऊन** और **कूलर** खरीदकैं लातौ और बेक दैतौ। धीरैं-धीरैं **ऊन** और **कूलर** कौ धन्धौ खूब चलगौ। फिर **ऊन** और **कूलर** के धन्धे में ते ई पईसा बारौ बनगौ।

पाठ–7

ऊंट बारौ और नाग

नकेल **नाग** **एक**

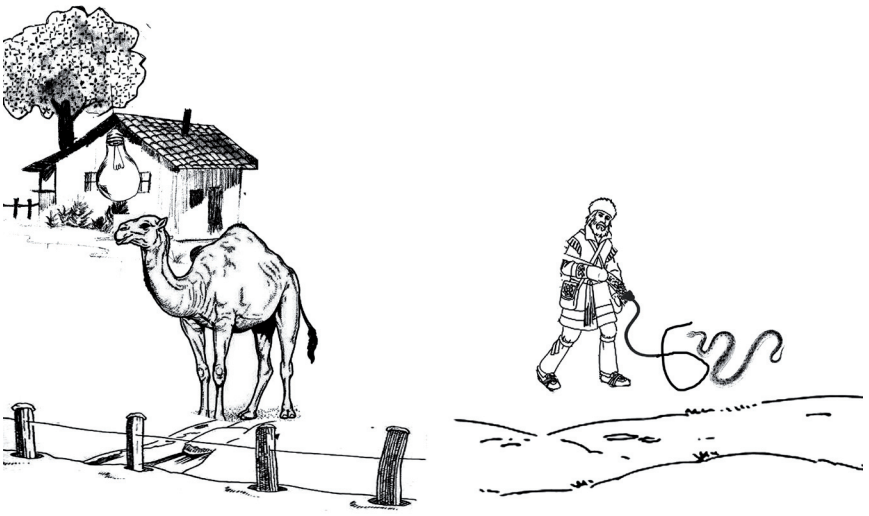

एक मांइसौ ऊ ऊंट राखैऔ। ऊ जंगल में रात दिन काम करतौ। **एक** दिना ऊंट बारे पै ते **एक नाग** पै अपनौ पांम धरगौ। अब बाय डर लगबे लग्गौ कै मोपै ते कारे **नाग** पै पांम धरगौ और कारौ **नाग** अब मोय ना छोडेगौ। अब ऊंट बारे नै सोची याय जियान ते मार दूंग्गौ तौ खेल खत्म है जागौ। बानै ऊंट की **एक नकेल** लई और **एक नकेल** चौलर कर ली और **नाग** बारी जिगह पै गयौ। वहां पै बाय **नाग** दीखौ। बानै **नकेल नाग** में दई और **नाग** मांईसै खागौ और ऊ मरगौ।

पाठ–8

ऐनक बारौ दूदिया

कैन **लैन** **ऐनक**

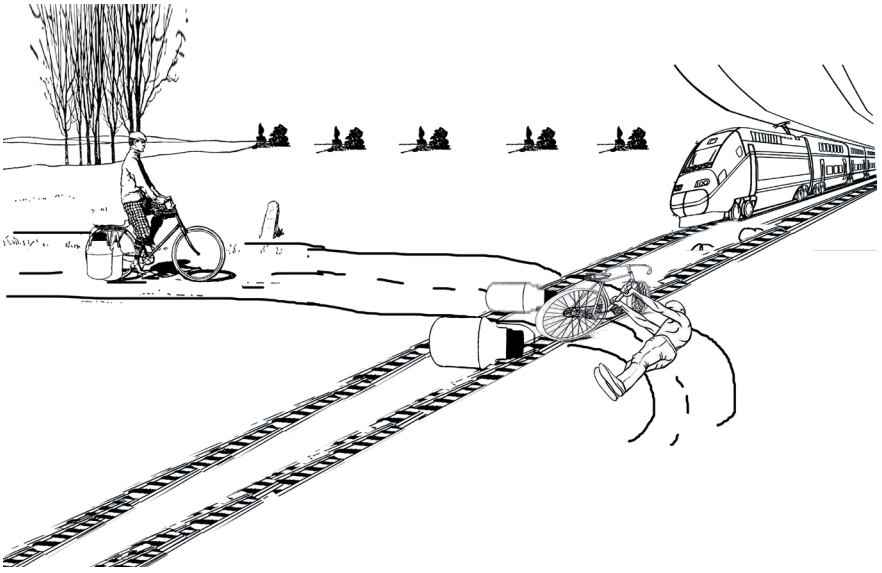

एक **ऐनक** बारौ दूदिया साइकिल ते रोजीना **कैन** में दूद भरकैं बजार कूं जाबैऔ। गैल में बाय रेल की **लैन** पार करनी परैई। एक दिना ऊ जल्दी में **लैन** पार करौं तौ बाके **ऐनक लैन** पै गिरगे और टूटगे। बाय **ऐनक** कौ भौत दुख हुयौ। फिर बानै नये **ऐनक** खरीदे। ऐंसई फिर दूसरे दिना ऊ जल्दी ते **लैन** पार करौ तौ बाकी साइकिल **लैन** पै गिरगी और **कैन** कौ दूद फैलगौ। नुकनी ही रेल आगई और खुद भी मुस्किलन ते बचौ। पर बाकी **कैन** और साइकिल **लैन** पै रेल के नीचैं कटगी।

पाठ–9

कोलू कौ तेल

कोलू **पोला** **ओक**

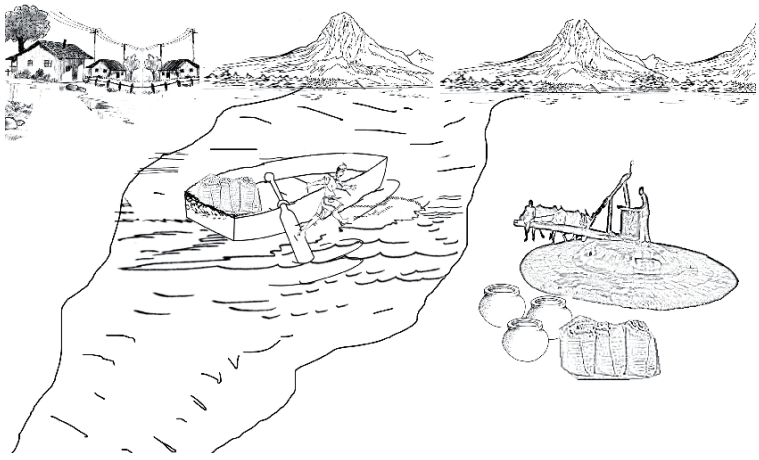

एक किसान गांम कौ जंगल में **कोलू** चलाबैऔ। तौ गांम के सबरे मांईस बाई के **कोलू** पै तेल पिरबाबे जाबैय। तौ एक सहर कौ मांईस भी **कोलू** पै तेल पिरबाबे जाबैऔ और सहर में मंहगे दामन ते तेल बेचतौ। तौ एक दिना सहर कौ मांईस **कोलू** पै तेल पिरबाबे जारौ तौ वा गांम में जाबे कूं नाव ते जानौ परैऔ। बा गैल में एक नदी परैई तौ ऊ नाव में तेई **ओक** बना कैं पानी पीबैऔ। एक दिना सहर कौ मांईस नाव ते **कोलू** पै तेल पिरबाबे जारौ तौ ऊ नदी में **ओक** बनाकैं पानी पीरौ तौ बाकौ **पोला** नदी में गिरगौ। तौ ऊ **पोला** लैबे कूं नदी में कूदगौ। बानै **पोला** अपनी **ओक** बनाकैं पकर लियौ और ऊ **पोला** अपने जेब में रख लियौ। फिर बानै **ओक** बनाकैं खूब पानी पियौ। पानी पीकैं **कोलू** पै तेल पिरबाबे गयौ।

पाठ–10

कारे कौलर की बुरसैट

कौलर **जौ** **औजार**

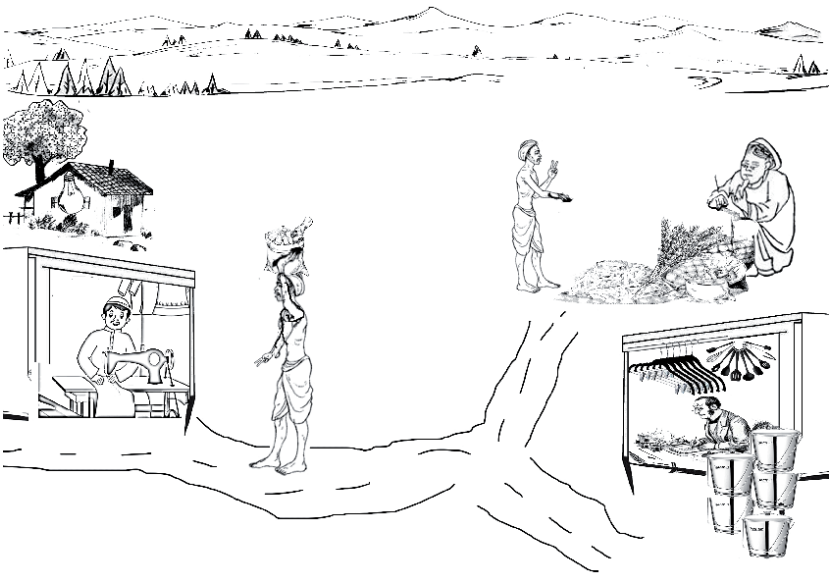

एक टेलर नै गरीब मांईस ते कही कै बजार चलेजा **कौलर** कौ हैंगर, **औजार** और **जौ** लै अइयौ। ऊ **कौलर** कौ हैंगर, **औजार** और **जौ** लैबे कूं बजार चलेगौ। सबते पहलैं बानै **जौ** बारे की दुकान पै ते **जौ** खरीदे। फिर बानै **कौलर** कौ हैंगर खरीदौ। फिर ऊ **औजार** बारे की दुकान पै गयौ। फिर बानै **औजार** खरीदे। फिर मांईस नै जौ, **कौलर** कौ हैंगर और **औजार** एक कट्टा में रखकैं टेलर के ढिंग आगौ। टेलर नै सामान देखौ तौ भौत खुस हुयौ। फिर टेलर नै कारे **कौलर** की बुरसैट जानकार मांईस कूं मान सम्मान में दई।

पाठ–11

मीठे अंगूर

कंगा **दंगल** **अंगूर**

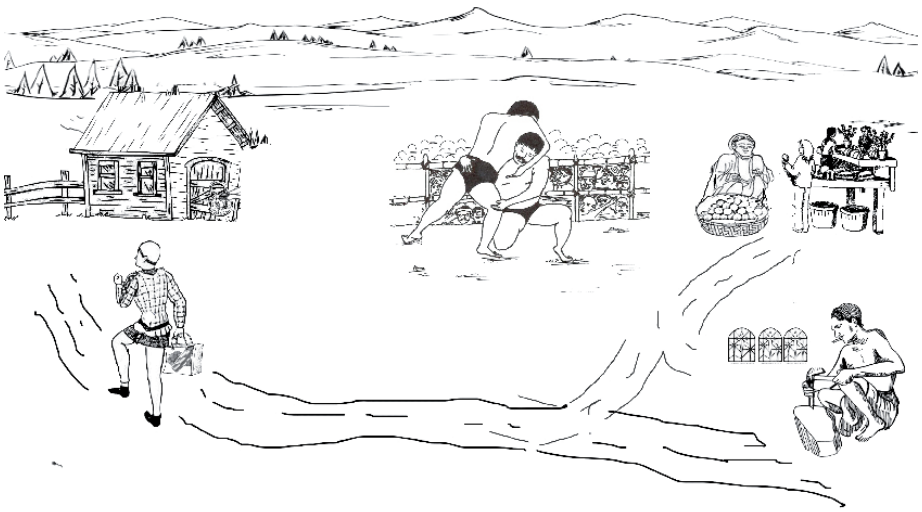

एक मांईस अपने मकान कूं बजार ते जंगला लैबे गयौ। बजार में **दंगल** देखबे लग्गौ। फिर **दंगल** देखकें बानै बजार ते सबते पहलैं अपने काजैं **अंगूर** खरीदे। **अंगूर** खाकैं बानै मांग काडवे कूं **कंगा** खरीदौ। **कंगा** खरीदकैं फिर जंगला खरीदौ। **अंगूर, कंगा** और जंगला लैकैं घर आगौ तौ बाके कारीगर बोले इतेक देर कैसैं लगाली। ऊ बोलौ मैंनै पहलैं बजार में **दंगल** देखौ फिर **दंगल** देखकैं फिर बजार कूं सामान लैबे गयौ। फिर मैंनै **कंगा** और जंगला खरीदकैं फिर दुबारा ते मैं तुमकूं मीठे **अंगूर** लैबे गयौ। फिर जब मैं घर आयौ।

पाठ–12

दतरा की दार

दतरा **जुर्राब** **आँच**

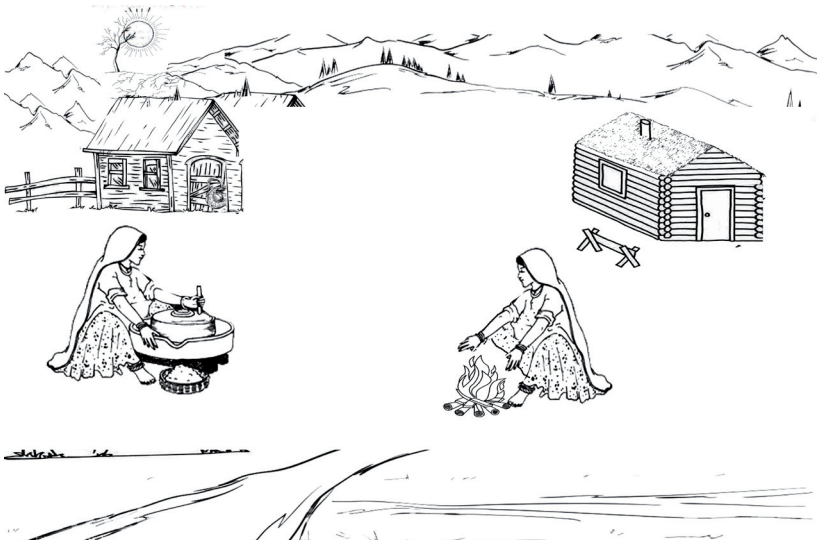

एक गांम की बईयर **दतरा** ते ई हर चीजै पीसैई। तौ ऊ एक दिना **दतरा** ते दार पीसरी जाड़ेन के दिनाय तौ बाय जाडौ लगरौ फिर बानै पामन में **जुर्राब** पहर लिये। फिर भी पामन में जाडौ लगरौ। फिर बानै **दतरा** ते दार पीसकैं **आँच** बराई। फिर बानै अपने पाम **आँच** पै सेके। तौ **आँच** पै बाके **जुर्राब** पिगलगे। फिर बानै पामन में ते **जुर्राब** उतारकैं **आंच** पै पाम सेके। नैक डटकैं **आँच** पै पाम सेक्कैं पामन में **जुर्राब** पहरकैं जब ऊ दुबारा ते **दतरा** ते दार पीसबे लगी।

पाठ–13

किसान और खेत

साया **चकरा** **हर**

एक किसान की बईयरी। तौ ऊ अपने पति ते कहबई तुम मोकूं बजार ते एक **साया** और **चकरा** लै अईयौं। किसान **साया** और **चकरा** की **हर** बार नाई कर दैबैऔ कै मोपै टैम नाय और ऊ जंगल में **हर** ते खेत जोतबे चले जाबैऔ। तौ एक दिना बईयर अपने पति की बाट देखरी तौ ऊ जंगल ते **हर** जोतकैं आयौ और बईयर बोली कल मैं **हर** ते खेत जोतबे चली जाऊंगी पर तुम मोकूं बजार ते **साया** और **चकरा** लै अईयौं। तौ फिर ऊ **साया** और **चकरा** लैबे कूं बजार चलेगौ। तौ बईयर को पति बजार ते **चकरा, साया** और खेत जोतबे कूं नयौ **हर** लैकैं आयौ।